

हाल ही में परिवर्तित हुए लोग कैसे प्रार्थना करें (2 का भाग 1)

विवरण: औपचारिक प्रार्थनाओं का संक्षिप्त विवरण, इस्लाम स्वीकार करने के बाद की जाने वाली पूजा का पहला अनिवार्य कार्य। भाग 1 बताता है कि औपचारिक प्रार्थना के लिए स्वयं को कैसे तैयार करें और इसके लिए क्या करने की आवश्यकता है।

द्वारा NewMuslims.com

प्रकाशित हुआ 08 Nov 2022 - अंतिम बार संशोधित 07 Nov 2022

श्रेणी: पाठ > [पूजा के कार्य](#) > [प्रार्थना](#)

उद्देश्य

यह सीखना कि वजू और स्नान कैसे करें और कब इसकी आवश्यकता होती है।

अरबी शब्द

- [وَجُو](#) - वजू।
- [وَسْوَأَتُ](#) - आस्तिक और अल्लाह के बीच सीधे संबंध को दर्शाने के लिए अरबी का एक शब्द। अधिक विशेष रूप से, इस्लाम में यह औपचारिक पाँच दैनिक प्रार्थनाओं को संदर्भित करता है और पूजा का सबसे महत्वपूर्ण रूप है।
- गुस्ल - अनुष्ठान स्नान।

वुजू (वूदू) क्या है?

वूदू, जिसे वुजू कहा जाता है, नमाज़ के कुछ कार्यों से पहले किया जाता है। यह मूल रूप से चेहरे, हाथों और बाहों को धोना, फरि सरि और कान को पोंछना और अंत में पैरों को धोना है।

मुझे वुजू (वूदू) कब करना चाहिए?

एक मुसलमान को नमाज़ (सलाह) पढ़ने से पहले वुजू करना चाहिए जब वह अशुद्धता की स्थिति में हो, अर्थात् नमिनलखित कारणों में से एक के कारण:

- (1) पेट की गैस निकलना।
- (2) पेशाब करना।
- (3) शौच करना।
- (4) गहरी नींद में सोना।

इन चीजों को 'अमान्य' या वुजू (वूदू) को 'तोड़ने' वाला माना जाता है। उदाहरण के लिए, आपको अपनी

सुबह की नमाज (सलाह) पढ़ने के लिए सुबह उठकर वुजू करना चाहिए, क्योंकि सोने से वुजू "टूट" जाता है। शौच के बाद, आपको प्रार्थना करने से पहले वुजू करना पड़ता है क्योंकि पेशाब करने और शौच करने से वुजू "टूट" जाता है।

वुजू कैसे करें?

वुजू करने से पहले आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके शरीर के अंग अशुद्ध न हों। सुनिश्चित करें कि आपने शौचालय का उपयोग करने के बाद टॉयलेट पेपर या पानी से मूत्र या मल के सभी निशान मटा दिए हैं।

वुजू निम्नलिखित क्रम में किया जाता है:

1. मन में निश्चय करो कतिम पवतिर होने के लिए वुजू कर रहे हो ताकि नमाज पढ़ सको।
2. अल्लाह के नाम से शुरू करें और पढ़ें 'Bismillah', जिसका अर्थ है, 'मैं अल्लाह के नाम से शुरू करता हूँ'।
3. कुल्ला करें। यह एक बार, दो बार या तीन बार किया जा सकता है। चित्र 1 देखें।



Figure 1

4. नाक में पानी डालकर नथुनों को साफ करें। यह एक बार, दो बार या तीन बार किया जा सकता है। चित्र 2 देखें।



Figure 2

5. चेहरे को माथे के बाल से लेकर टुड्डी और जबड़े की हड्डी तक, एक कान से लेकर दूसरे कान तक धोएं। यह एक बार, दो बार या तीन बार किया जा सकता है। चित्र 3 देखें।



Figure 3

6. हाथों और बाहों को कोहनयियों तक धोएं। यह एक बार, दो बार या तीन बार किया जा सकता है। दाहिने हाथ से शुरू करें। चित्र 4 देखें।



Figure 4

7. हाथों को फरि से गीला करें और अपने सरि के सामने से शुरू कर के सरि के पछिले हसिसे तक पूरे सरि को पोछें, फरि वापस उसी जगह ले आएं जहां से आपने शुरुआत की थी। ऐसा केवल एक बार करना है। चित्र 5 देखें।



Figure 5

8. कान के अंदरूनी हसिसे को तर्जनी से और कान के पछिले हसिसे को अंगुठे से पोछें। ऐसा केवल एक बार करना है। चित्र 6 देखें।



Figure 6

9. पैरों को टखनों तक धोएं। यह एक बार, दो बार या तीन बार किया जा सकता है। दाहिने पैर से शुरू करें। चित्र 7 देखें।



Figure 7

अनुष्ठान स्नान (गुस्ल) क्या है?

پूर्ण स्नान का अरबी शब्द है। कुछ मामलों में, प्रार्थना से पहले वुजू करना पर्याप्त नहीं होता है। प्रार्थना करने से पहले एक पूर्ण स्नान करके खुद को शुद्ध करने की जरूरत होती है, जिसे अनुष्ठान स्नान (गुस्ल) कहते हैं। आपको नमिनलखिति मामलों में अनुष्ठान स्नान करने की आवश्यकता है:

1. वीर्य या महिला संभोग द्रव का नकिलना, चाहे संभोग, सपने या हस्तमैथुन के कारण हो।
2. संभोग के बाद। अधिक सटीक रूप से, यदि लिंग योनि में प्रवेश करता है तो स्नान करना पड़ता है, भले ही द्रव नकिला हो या नहीं।
3. मासिक धर्म और प्रसवोत्तर रक्तस्राव [1]।
4. इस्लाम अपनाने पर भी अनुष्ठान स्नान करने को कहा जाता है।

मासिक धर्म या प्रसवोत्तर रक्तस्राव के समय महिला [پ] (प्रार्थना) नहीं पढ़ सकती है। मासिक धर्म और प्रसवोत्तर रक्तस्राव खत्म होने पर, उसे अनुष्ठान स्नान करके खुद को शुद्ध करना चाहिए, और फिर वह [پ] (प्रार्थना) पढ़ना शुरू कर सकती है।

अनुष्ठान स्नान कैसे करें

- (1) अपने दिल में अल्लाह के लिए खुद को शुद्ध करने का इरादा करें।
- (2) शरीर पर लगी किसी भी अशुद्धता को धो लें।
- (3) पूरे शरीर को पानी से धो लें और कोई हिस्सा सूखा न रहे।
- (4) कुल्ला करें और नाक में पानी डालें।

फुटनोट:

[1] प्रसवोत्तर रक्तस्राव वह रक्तस्राव है जो बच्चे के जन्म या गर्भपात के बाद होता है।

इस लेख का वेब पता:

<http://www.newmuslims.com/hi/lessons/37>

कॉपीराइट © 2011-2022 [NewMuslims.com](http://www.NewMuslims.com). सर्वाधिकार सुरक्षित।

ajsultan